प्रदेश के ढांचागत विकास पर रहेगा फोकस

सीएम योगी ने कहा- पहला बजट किसानों को समर्पित था, सातवां बजट समग्र विकास को

विधानसभा में बजट पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। साथ में मौजूद मंत्री व विधायक। -विज्ञप्ति

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के वित्त वर्ष 2023-24 के बजट की बड़ी राशि ढांचागत विकास पर खर्च होगी। इससे प्रदेश में उद्यमों की आय बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

बजट भाषण के बाद मीडिया से मुखातिब सीएम ने कहा कि झांसी लिंक एक्सप्रेसवे और चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समानांतर चार और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के समानांतर दो औद्योगिक क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के पास भी औद्योगिक गलियारा बनाया जाएगा। बुंदेलखंड में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर बनाया जाएगा। अयोध्या को मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के बाद सभी 17 नगर निगम को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017-18 से सरकार ने हर वर्ष थीम आधारित बजट पेश किया है। 2017-18 का बजट किसानों को समर्पित था, 2018-19 में ढांचागत विकास और औद्योगिक विकास के लिए था। 2019-20 का बजट मिशन शक्ति, महिला सुरक्षा, महिला सम्मान और महिला स्वावलंबन के लिए समर्पित रहा। 2020-21 का बजट युवाशक्ति, कौशल विकास, रोजगार और प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए था। 2021-22 का बजट प्रदेश के समग्र विकास को ध्यान में रखकर स्वावलंबन से सशक्तिकरण को समर्पित था। 2022-23 का बजट अंत्योदय से आत्मनिर्भरता का बजट था, इस बार 2023-24 का बजट उत्तर प्रदेश के समग्र विकास को समर्पित है।

इस तरह आया अंतर

- 2016-17 में 86 हजार करोड़ रुपये राजस्व कर मिला था। 2022-23 में राजस्व कर 2.20 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर रहा है।
- 2016-17 में बिक्री कर और वैट से 51 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। अब जीएसटी से 1.25 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है।
- 2016-17 में आबकारी से 12 हजार करोड़ रुपये मिला था। 2022-23 में 45 हजार करोड़ रुपये प्राप्त होने का अनुमान है।
- 2016-17 में 20 फीसदी से अधिक वित्त पोषण ऋण के माध्यम से होता था। लेकिन अब 16 फीसदी ऋण के जरिये हो रहा है।
- 2016-17 में 8 फीसदी बजट पुराने कर्ज को अदा करने में खर्च होता था, लेकिन अब 6 फीसदी बजट कर्ज अदा करने पर खर्च होता है।
- 2016-17 में यूपी का क्रेडिट डिपोजिट औसत 46 प्रतिशत था, लेकिन अब 55 फीसदी हुआ है।
- 2016-17 में बेरोजगारी की दर 18 फीसदी थी, ये अब 4 फीसदी रह गई है।
- 2016-17 में बजट में राज्य सरकार की स्वयं की आय केवल 33 फीसदी थी। शेष ऋण या केंद्र सरकार पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन अब बजट में 45 से 46 फीसदी भाग प्रदेश सरकार की आय का हिस्सा है।
- 2012-17 के बीच प्रदेश में 5.90 लाख करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए थे। 2017-22 के बीच 9.50 लाख करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।